J-High Court IIa (J) 9 Old (M) 164,

1428

# आदेश

निलामी पदाधिकारी का न्यायालय चास (60)

बनाम सुखदेव सिंह

56/52-93

कार्यवाही संख्या.

| क्रम | तिथि | आदेश एवं हस्ताक्षर | की गयी कार्यवाही की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
|  |  | प्रबन्धक, आर०जी० बैंक चन्दनकियारी शाखा धनबाद, अपने विद्वान अधिवक्ता / श्री एस० एन० राय ने अपने अधियाचन संख्या ........ द्वारा देनदार सुखदेव सिंह, पि० - भुमरी सिंह, ग्राम पोस्ट - चन्दनकियारी जिला - बोकारो के विरुद्ध बकाया राशि 4810=70 वसूली हेतु अधियाचन पत्र दाखिल किया गया है। इनके द्वारा एक आवेदन भी दाखिल किया गया है जिसमें कोर्ट फी दाखिल करने वास्ते समय की मांग की गयी है।<br><br>अधियाचन पत्र परिपूर्ण है एवं बकाया राशि देनदार से वसूली योग्य है। अतः देनदार के विरुद्ध धारा ७ पी० डी० आर० ऐक्ट के अधीन विधिवत सूचना जारी करें। विद्वान अधिवक्ता को आदेश दिया जाता है कि "कोर्ट फी" सूचना के तामिला प्रतिवेदन अविलम्ब प्राप्त कर न्यायालय में दाखिल करें। सूचना के तामिला प्रतिवेदन के साथ दिनांक ........ को प्रस्तुत करें। गारन्टर को भी सूचित करें।<br><br>निलाम पद०<br>चास। | 26.4.94 |
|  | 25-7-93 | अधियाची पदाधिकारी की ओर से Rs. 485/= का कोर्ट फी दाखिल किया गया है। धारा 7 P.D.R. Act के अधीन सूचना निर्गत करें।<br><br>नि० पदा० | 57 25/7/93 |
|  | 22/2/94 | नोटिस अप्राप्त है। स्मारित करें।<br><br>नि० पदा० |  |
|  | 26/4/94 | देनदार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गयी। देनदार के विरुद्ध जप्ती / कुर्की वारंट जारी करें। 26/10/94<br><br>नि० पदा० |  |

48/05-06

315/95

6/6/94 कृ० पत्र का नमिला आर्डरशीट पेश (बाजार)
कृ० पत्र का नमिला दायर हुआ है।
देनदार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गयी है।
आपत्ति पत्र दाखिल करने की अवधि
समाप्त हो चुकी है। बकाया राशि वसूली
के लिए अनुमति किया जाता है। देनदार
के विरुद्ध जप्ती कुर्की वारंट जारी करें।

प्र० पदा०

11-7-94

**CASE TRANSFERD TO**
Sri S. N. Sahay, Executive
Magistrate, CHAS
By order D. C. Bokaro
Memo No. 64[illegible] Dt. 24-6-94

Certificate Officer
BOKARO

यह अभिलेख कोषागार चास से प्राप्त।
पंजी में दर्ज करें।

प्र० पदा०

अभिलेख उपस्थापित किया गया।
देनदार के द्वारा बकाया राशि जमा करने हेतु
कोई प्रयास नहीं की गई
है। अत: इनके विरुद्ध जप्ती कुर्की वारंट
जारी करें। अभिलेख पेश करें।

प्र० पदा०

C.O.

28/X/95 अभि[illegible] [illegible]
पंजी [illegible]
[illegible] हेतु
[illegible]

(IV From No. 44

# FORM NO. 1.

ATIFICATE OF PUBLIC DEMAND FILLED IN THE OFFICE OF THE CERTIFICATE FICER OF Chas Bokaro

Section 4 and 6 of the Bihar and Orissa Act IV of 1914 )

| . of tificate | Name and address Certificate holder | Name and Address of the certificate debtor | Amount of Public demand (including interest if any including the fee paid under Sec 5 Sub Sec (2) If any) for which this Certificate is signed and period for which such demand is due | Further Particular of the Public demand for which this certicate Signed |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | State Bank of India Chandan-kiary. | Sukhdeo Singh S/oJhumeri Singh vill.& P.O. Chandankiary Dist. Bokaro | Rs.4810.70 (Rupees four thousand eight hundred ten and paise seventy only) + further accured interest w.e.f. 28.1.93 + other & Misc. exp. | |

I here by certify that the above mantioaed sum Rs. 4810.70

is due to the above named C.dr. from the

above named ( if the certificate is Signed on requisition sent under section 5 and ) I further

fy that the above named sum of Rs. 4810.70

tly recoverable and that its recovery suit is not Barred by law.

erifie is 23 rd day of March 19 93

Certificate officer

Digitally signed by RAVI KUMAR ANAND
Date: 2024.08.14 23:10:03 +05:30
Location: 192.168.212.53

Scanned with OKEN Scanner